

R. I. C. S. E.
FIRST PRE-BOARD EXAMINATION 2018-19

STD. ; X

SUB. : HINDI (II LANGUAGE)

MARKS: 80

TIME: 3 HRS.

GENERAL INSTRUCTIONS:

1. This paper comprises two sections - Section A and Section B.
 2. Attempt all the questions from Section A.
 3. Attempt any four questions from Section B.
 4. You will not be allowed to write during first 15 minutes. This time is to be spent in reading the Question Paper. The given time at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
 5. The intended marks for the questions or parts of questions are given in brackets [].

SECTION - A : [40 Marks]

AMRITA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Nanaji Vasav Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 067.

Q1. Write a short composition in Hindi (approximately 250 words) on any one of the given topics.

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर हिंदी में निबन्ध लिखिए जो २५० शब्दों से कम न हो।

(94)

१. दिए गए चित्र को आधार बनाकर चित्र का वर्णन करते हुए कोई कहानी लिखिए, जिसका संधार सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।



२. बढ़ती हुई जनसंख्या एक भयानक समस्या है इस समस्या को रोकने के उपाय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

३. क्या आरक्षण आवश्यक है यह कितना उचित है और कितना अनुचित।

४. 'आगे कुआँ पीछे खाई' उत्तर सूक्ति पर एक मौनिक कहानी लिखिए।

५. यदि आपको संविधान के नियमों में संशोधन करने का अधिकार दे दिया जाये तो आप क्या बदलाव लाना चाहेंगे।

II. Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the given topics:

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

✓ १. आपने क्षेत्र में पेड़ - पौधों की अनियंत्रित कटाई को रोकने के लिए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए।

२. परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

III. Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow using your own words as far as possible.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रेश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

अमवास्या के अंधकार को यम का दूत समझा जाता था और उन्हीं की पूजा की जाती थी। उसी पूजा के लिए दीप जलाये जाते थे। आज यम जी मृत्यु के दूत के रूप में कल्यान कर ली गई है। ऋग्वेद में उन्हें कल्याण का प्रकीर्त माना जाता था।

ज्योति पर्व दीपावली अनेक सुखद स्मृतियों को लेकर आता है। इसी अवसर पर दुराचारी लंकेश का वध कर राम ने अयोध्या के लिए प्रस्थान किया और साकेत वासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था।

इसी द्वापरयुग में गंगवान श्रीकृष्ण ने बकासुर का वध किया था। जैन तीर्थकर

महावीर ने भी इसी दिन निर्वाण प्राप्त किया था। उनके मोक्ष स्थल 'पावा' में भी धूमधाम से उत्सव मनाया जाता है।

१५ वीं सदी में सीखों के गुरु नानक देवजी का गौलकवास हुआ था। इसी दिन स्वामी रामतीर्थ ने भी मोक्ष प्राप्त किया था। इसी दिन स्वामी दयानन्द ने मोक्ष प्राप्त कर आर्य समाज के कर्य को अधूरा छोड़ा था जिसे आज भी उनके शिष्य रात - दिन पूर्ण करने का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रकार यह महोत्सव श्रीराम, श्रीकृष्ण, महावीर स्वामी, गुरु नानक, स्वामी रामकृष्ण और महर्षि दयानंद जी की याद दिलाता है। यह पर्व मानव मात्र को उनके दिखाए पथ पर चलने की प्रेरणा देता है।

आज दिवाली को राष्ट्रीय त्यौहार बनाने की आवश्यकता है। इस दिन हम सभी को सभी क्षेत्रों में देश के चतुर्दिश विकास की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। तभी देश में धन धान्य के साथ महान कृति, योद्धा, राजनीतीज्ञ एवं देश - भक्तों का जन्म होगा। तभी हम सामान्य जन के अंतर में व्याप्त अंधकार को दूर करके दीपावली को सार्थक कर सकेंगे।

1. यहाँ पहले क्या समझा जाता था और अब क्या समझा जाता है? (2)
2. शाकेत निवासियों ने अपनी कौन - सी प्रसन्नता किस प्रकार व्यक्त की ? (2)
3. द्वापर की घटना का उल्लेख कीजिए की उस युग में क्या हुआ था ? (2)
4. इसके अतिरिक्त और कितने महापुरुषों ने शरीर त्यागा? (2)
5. इसे राष्ट्रीय त्यौहार क्यों बनाना चाहिए? इस अवसर पर हमारा क्या कर्तव्य है? (2)

QIV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देश अनुसार दीजिये।

1. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण शब्द बनाइए।

तिरस्कार, लौक

2. किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखो।

दुनिया, छल

AMRITA CO. LTD. DEPOT
Shop No. 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 126

✓ ३. निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइए। (१)

आलसी , मीठा

४. किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें। (१)

लकीर का फकीर , कान का कच्चा

५. शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए। (१)

साकार , विस्तृत

AMERICA BOOK DEPOT
 Shop No. 1, New Court, Vasant Utsav,
 Thakur Vilas, Kandivali (E),
 Mumbai - 400 101.
 Mob. 9821263050,

६. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन करके उन्हें दोबारा लिखिए।

✓ क) मुझसे कोई भी बात कहने में सकौंच न करें (निःसंकोच शब्द का प्रयोग कीजिए) (१)

ख) ईश्वर ने मनुष्य को कर्म करने के लिए ही बनाया है। (कर्म वाक्य में बदलिए) (१)

ग) जीवन का कोई उद्देश्य नहीं रहता। (नहीं हटाइए किंतु अर्थ न बदले) (१)

SECTION - B : [40 Marks]

Attempt four questions from this Section. You must answer atleast one question from each of the two books and any other two questions.

साहित्य सागर

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

✓ १. वकील साहब होटल के कमरे से उत्तरकर आए। कश्मीरी दुशाला लपेटे थे?

२. वकील साहब कौन है? उनके कमरे से उत्तरकर आने का क्या कारण है? (२)

३. वकील साहब ने उस लड़के को क्यों नहीं नौकर के रूप में रखना स्वीकारा? (२)

४. लेखक के वकील मित्र की बात सुनकर लड़के ने क्या किया? (३)

५. लेखक को वहाँ कैसा लग रहा था? उसके मन में क्या दार्शनिक विचार आए? (३)

QVI. मोहनबाबू की बड़ी - बड़ी गोल आँखे और भी फैल गयी ।

1. यह कथन किस संदर्भ में कहा गया है? (2)
2. मोहनबाबू ने अपनी पत्नी से क्या पूछा? उन्होंने क्या उत्तर दिया? (2)
3. मोहनबाबू ने अपनी पत्नी की बात का क्या उत्तर दिया? (3)
4. मोहनबाबू ने अपने हृदय की विक्षिप्तता का क्या कारण बताया? (3)

QVII. हाँ मई! धनी पिता की इकलौती विटिया ठहरी तेरी इच्छा कभी टाली जा सकती है।

1. उपर्युक्त कथन का वक्ता न्यौन है? वह श्रोता से क्या कहना चाहता है? (2)
2. वक्ता एवं श्रोता कहाँ रहती थीं? उनके विचार में क्या अंतर था? (2)
3. कंला के बारे में वक्ता के क्या विचार थे? (3)
4. तेरी इच्छा कभी टाली जा सकती है? वक्ता के इस कथन से क्या संकेत मिलता है? (3)

एकांकी संचय

QVIII. 'वही अगंर तुम्हारी सामर्थ्य कम थी तो अपनी बराबरी का घर देखते। झोपड़ी में रहकर महल से नाता क्यों जोड़ा?' -

AMRIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

1. उपर्युक्त पंक्तियों का वक्ता और श्रोता कौन है? (2)
2. यहाँ उपर्युक्त पंक्ति का विवर बहुत हो रही है और क्यों? (2)
3. 'वही अगंर तुम्हारी सामर्थ्य कम थी तो अपनी बराबरी का घर देखते। झोपड़ी में रहकर महल से नाता क्यों जोड़ा?' इसका आशय स्पष्ट कीजिए। (3)
4. 'वही अगंर तुम्हारी सामर्थ्य कम थी तो अपनी बराबरी का घर देखते। झोपड़ी में रहकर महल से नाता क्यों जोड़ा?' इसका आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

'माज़ूरीं नहीं ! छोटी माँ ! अभी - अभी छोटी बहू ने परेश की वह मुँह लेकर रह गया।'

5. 'माज़ूरीं नहीं ! छोटी माँ ! अभी - अभी छोटी बहू ने परेश की वह मुँह लेकर रह गया।' क्यों कहा है? (2)

2. यहाँ कौन हँस रहा है और क्यों ? कारण सहित लिखिए। (2)
3. छोटी बहू और परेश मे किस बात को लेकर बहस हो रही थी? विस्तार से लिखिए। (3)
4. 'सूखी डाली' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध किजिए। (3)

QX. 'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ जहरीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हे ढस सकते हैं।'

1. कौन किसको रात में अकेले जाने को मना कर रहा है? (2)
2. 'चारों तरफ जहरीले सर्प घूम रहे हैं' - वक्ता का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)
3. वक्ता श्रोता के प्रति हमेशा चिंतित क्यों रहती है? समझाइए। (3)
4. प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिए। (3)
